



प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा गणित समस्या समाधान शिविर का आयोजन
'तार्किक सोच और खुली मानसिकता गणित और वास्तविक जीवन में
समस्याओं को हल करने में मदद करती है'

भुवनेश्वर, 14 अक्टूबर 2024: "तार्किक सोच और खुली मानसिकता न केवल छात्रों को गणित में बल्कि वास्तविक जीवन में भी समस्याओं को हल करने में मदद करती है," तीन दिवसीय उद्घाटन समारोह के दौरान गणमान्य व्यक्तियों ने कहा। 14 अक्टूबर 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर में गणित समस्या समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन ओडिशा सरकार के माननीय कानून, कार्य, उत्पाद शुल्क मंत्री श्री पृथ्वीराज हरिचंदन और माननीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, संसदीय कार्य मंत्री, ओडिशा सरकार डॉ. मुकेश महालिंग ने प्रोफेसर श्रीपद कर्मलकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर की उपस्थिति में किया।

यह आवासीय शिविर संस्थान द्वारा माधव गणित प्रतियोगिता, धुरियापाड़ा अंका फाउंडेशन (भुवनेश्वर), गणित और अनुप्रयोग संस्थान (भुवनेश्वर), भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (नई दिल्ली) और आईआईटी भुवनेश्वर अनुसंधान के सहयोग से स्नातक छात्रों के लिए आयोजित किया जा रहा है। उद्यमिता पार्क। शिविर का उद्देश्य प्रतिभाशाली गणितज्ञों की पहचान करना, उनका पोषण करना और एक समूह तैयार करना है जो हमारे देश के वैज्ञानिक और शिक्षा परिदृश्य में नेतृत्व करेंगे जब ओडिशा 2036 में अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। सरकार का विशेष ध्यान इस पर है - ओडिशा के ग्रामीण क्षेत्रों और सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में कॉलेज चलाना और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता करना।

इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय मंत्री श्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने जीवन की समस्याओं को हल करने में तार्किक विश्लेषण और खुली मानसिकता के महत्व पर जोर दिया जैसा कि वे गणित की समस्याओं को हल करने के मामले में करते हैं। उन्होंने राज्य के युवा गणितज्ञों को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करने की पहल की भी सराहना की।

अपने संबोधन में, माननीय मंत्री डॉ. मुकेश महालिंग ने ग्रामीण ओडिशा के छात्रों के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आईआईटी, एनआईएसईआर और गणित एवं अनुप्रयोग संस्थान जैसे संस्थानों से स्कूली छात्रों के लिए ऐसे कार्यक्रम संचालित करने का भी आग्रह किया, जो बहुत कम उम्र से राज्य के बच्चों के गणित कौशल को विकसित कर सकें।

प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने 'समस्या समाधान' पर एक सत्र संभाला, जिसमें उन्होंने उदाहरणों के साथ दिखाया कि कैसे सामान्य अनुशासन स्वतंत्र रणनीतियाँ वास्तविक जीवन की विभिन्न समस्याओं को हल करने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि यह मानसिकता कि समस्याओं को हल करने के लिए एक निश्चित क्षेत्र से विशेष ज्ञान की आवश्यकता होती है, लोगों को समस्याओं को हल करने से रोकती है। अनुशासन स्वतंत्र रणनीतियों में तार्किक तर्क, परीक्षण और त्रुटि, समस्या कथन का सुधार, विश्लेषण और सादृश्य शामिल हैं। विश्लेषण में तीन चरण शामिल हैं: संपूर्ण को भागों में अलग करना, भागों को अलग-अलग समझना, संपूर्ण को समझने के लिए प्राप्त भागों की समझ को संयोजित करना। विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण में प्रतिनिधित्व/मॉडलिंग, बांटो और जीतो, और तार्किक तर्क की रणनीतियाँ शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संचार, सहयोग और आलोचनात्मक सोच वास्तविक जीवन में सफलता के लिए आवश्यक तीन कौशल हैं।

आरंभ में, आईआईटी भुवनेश्वर के एसोसिएट प्रोफेसर और शिविर के समन्वयक डॉ. ताराकांत नायक ने कार्यक्रम का परिचय दिया और शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। श्री स्मृति रंजन साहू, सहायक प्रोफेसर, बीजेबी ऑटोनाॅमस कॉलेज, भुवनेश्वर ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

इस शिविर में ओडिशा के 18 जिलों से 40 से अधिक चयनित छात्र भाग ले रहे हैं।

मैथ-ओडिशा100 पहल के तहत एनआईएसईआर, आईआईटी भुवनेश्वर और ओडिशा के विभिन्न कॉलेजों के कुछ उत्साही प्रोफेसरों की एक टीम पिछले कुछ वर्षों में कई कार्यक्रम आयोजित करके स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा में सुधार पर काम कर रही है।
